भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर

एक नजर में - 2025

भारतीय प्रौद्योगिकी

अस्वीकार्य

इस दस्तावेज में प्रस्तुत सामग्री को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के पास मौजूद स्पष्ट प्रकाशन अधिकारों के अनुसार तैयार और संकलित किया गया है। यह दस्तावेज व्यक्तियों और संस्थानों द्वारा इसकी सामग्री के प्रति किसी भी पूर्वाग्रह या निर्णय के बिना शुद्ध शैक्षणिक उपयोग के लिए है। संकलक, संपादक और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर इस दस्तावेज में निहित सामग्री के उपयोग से उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रत्यक्ष, आकस्मिक या परिणामी गलत व्याख्या के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। साथ ही, तस्वीरों सहित इस दस्तावेज में प्रस्तुत सामग्री संस्थान की संपत्ति है और संस्थान के अधिकारियों की लिखित अनुमति के बिना पुनः प्रस्तुत नहीं की जा सकती है।

फोटो क्रेडिट
संस्थान प्रकाशन समिति © भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, जून 2025

संस्थान जोधपुर

की ओर से अभिवादन

संस्थान प्रकाशन समिति द्वारा डिजाइन,
संकलित और प्रकाशित

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर – आपकी पसंद का गंतव्य

भारत के सबसे जीवंत राज्यों में से एक, 'राजस्थान' में स्थित, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर का स्थायी परिसर, राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर शहर के केंद्र से 25 किलोमीटर दूर नागौर रोड़ पर स्थित है। लगभग 852 एकड़ के क्षेत्र में फैले इस संस्थान में एक अत्याधुनिक आवासीय परिसर भी शामिल है। इस पूरे परिसर को इस परिकल्पना के साथ निर्मित किया गया है कि आने वाले समय में यह विश्व स्तरीय शिक्षा के क्षेत्र में एक अनूठे प्रतीक के रूप में स्थापित हो। परिसर में स्वच्छ हवा के साथ साथ काफी खुली जगह भी है। पैदल चलने और साइकिल चलाने के लिए अलग से मार्ग बनाए गये हैं। इसके अलावा यहां आउटडोर और इनडोर खेलों के लिए एक विशाल खेल परिसर भी है जो छात्रों, संकाय, कर्मचारियों और उनके परिवारों सहित परिसर के सभी निवासियों को अनूठा अनुभव प्रदान करता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर परिसर को भारत में सर्वश्रेष्ठ नियोजित तकनीकी संस्थान परिसरों में से एक होने का गौरव प्राप्त है, जो ऊर्जा, जल और अपशिष्ट के लिए नेट जीरो रणनीतियों के साथ स्थिरता का एक अंतर्राष्ट्रीय उदाहरण है।

दृष्टिकोण एवं लक्ष्य

> विचारों की उत्कृष्टता को पोषित करने वाला एक भविष्योन्मुखी संस्थान जो ज्ञान का सृजन, संरक्षण एवं प्रसार करने के साथ साथ सामाजिक चुनौतियों और आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए एक बहु–विषयक दृष्टिकोण के साथ परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी समाधानों का उपयोग करता है।

अपनी स्थापना के लगभग एक दशक पूर्ण होने पर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने संकाय सदस्यों के बीच कार्यशालाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम की पुन: परिकल्पना और सुधार करना शुरू किया, जिसमें उद्योग और शिक्षा जगत के विशेषज्ञों की राय ली गई। इसके अलावा, विचार–विमर्श की एक प्रक्रिया के माध्यम से संस्थान ने पांच वर्षों (2021–2025) के लिए भविष्य की दिशा में लक्ष्यों को परिभाषित करने के लिए अपनी नई रणनीति और दृष्टिकोण का दस्तावेज तैयार किया है। 5 वर्षों 2021–2025 के लिए दृष्टिकोण और रणनीति को पुनः कल्पना, पुनर्परिभाषित और नवाचार के सिद्धांतों का उपयोग करके तैयार किया गया है।

यह दस्तावेज भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के मौजूदा दृष्टिकोण और मिशन को व्यापक बनाने का मार्ग प्रशस्त करता है, जिसे भविष्य की जरूरतों में निहित रणनीतियों के माध्यम से लागू किया जा रहा है। इस दस्तावेज में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर को ज्ञान सृजन और सभी पारंपरिक और उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रसार और उद्योग, वित्त, स्थिरता, पर्यावरण और महत्वपूर्ण समस्या समाधान जैसे विविध क्षेत्रों में राष्ट्रीय/सामाजिक लाभों के लिए उनके संलयन के लिए एक समग्र संस्थान के रूप में परिवर्तित करना भी शामिल है।

दृष्टिकोण (2021–25) को साकार करने के लिए संस्थान द्वारा पांच मिशन वक्तव्यों की पहचान की गई है –

- संकाय और छात्रों में मानवीय मूल्यों, सीखने के लिए जुनून और रचनात्मकता को बढ़ावा देना
- उच्च गुणवत्ता वाले भविष्य के शैक्षिक और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र की ओर बढ़ना
- सामाजिक रूप से जिम्मेदार संकाय, छात्रों और भविष्य के नेताओं का विकास करना, जो एक आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं
- बुनियादी ढांचे और सहायक सेवाओं को सक्षम करने के साथ–साथ एक पेशेवर आंतरिक संस्कृति को उत्प्रेरित करना
- विविध उद्देश्यों और गतिविधियों के लिए उद्योग और शिक्षाविदों के साथ प्रभावी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और साझेदारी बनाना।

हमारा प्रतीक चिन्ह
नए तालमेल और नए लोकाचार का प्रतीक है

संतुलित एवं सममितीय डिज़ाइन: ज्ञान की चक्रीय एवं विस्तारित प्रकृति का प्रतिनिधित्व करता है।

सांस्कृतिक एवं तकनीकी सम्मिश्रण: राजस्थान की विरासत और भा. प्रौ. सं. जोधपुर के मिशन से प्रेरित।

प्रतिकात्मक तत्व

- **गियर्स** – तकनीकी नवाचार
- **सूर्य** – ऊर्जा, नवीनीकरण और शिक्षा
- **तितलियाँ** – प्रकृति व परिवर्तन
- **संस्कृत श्लोक** – प्राचीन ज्ञान

रंग का महत्व

इंडिगो ब्लू – बुद्धि व गहराई

सुनहरा नारंगी – रचनात्मकता, जीवन शक्ति व प्रगति

मुख्य संदेश: विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रकृति का सम्मिश्रण, भा. प्रौ. सं. जोधपुर की प्रभावशाली ज्ञान सृजन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है ।

परसिर का बुनियादी ढांचा
अनन्य विशेषताएं

- कुल क्षेत्रफल 852 एकड़रू चौथा सबसे बड़ा भा.प्रौ.सं. परिसर

- शून्य अपशिष्ट जल और ठोस अपशिष्ट निर्वहन

- सेवा सुरंग

- थर्मल रूप से इंसुलेट की गई दोहरी दीवारें

- बर्म (रेतीले तूफानों को रोकने के लिए अनूठी संरचनाएँ)
- विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली (DWTS)
- वर्षा जल संचयन

पृथ्वी मिसाइल प्रणाली मॉडल

राष्ट्रीय गौरव और वैज्ञानिक उत्कृष्टता का प्रतीक

भा.प्रौ.सं. जोधपुर परिसर में प्रमुखता से स्थापित, पृथ्वी मिसाइल प्रणाली मॉडल भारत की वैज्ञानिक और सामरिक उपलब्धियों के लिए एक सशक्त श्रद्धांजलि है। भारतीय सेना के उप–सेना प्रमुख, लेफ्टिनेंट जनरल राकेश कपूर, एवीएसएम, वीएसएम की उपस्थिति में उद्घाटन किया गया यह मॉडल स्वदेशी तकनीकी नवाचार के प्रति संस्थान के गहरे सम्मान और राष्ट्र निर्माण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (आईजीएमडीपी) के तहत विकसित, पृथ्वी मिसाइल भारत की पहली स्वदेशी रूप से विकसित बैलिस्टिक मिसाइल थी, यह देश की रक्षा क्षमता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

यह स्थापना न केवल परिसर में एक दृश्य स्थलचिह्न के रूप में कार्य करती है, बल्कि भारत के रक्षा और वैज्ञानिक संस्थानों के साथ भा.प्रौ.सं. जोधपुर के बढ़ते सहयोग का प्रतीक भी है। यह छात्रों, शोधकर्ताओं और आगंतुकों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं राष्ट्रीय सेवा में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करती है।

यह प्रतिष्ठित प्रदर्शन रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता की ओर भारत की यात्रा का एक गौरवपूर्ण अनुस्मारक है और परिसर समुदाय के भीतर देशभक्ति की भावना और तकनीकी आकांक्षा का निरंतर संचार करता है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

संस्थान विभिन्न पारंपरिक विषयों के साथ–साथ उभरते बहु–विषयक और अंतर–विषयक क्षेत्रों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट डिग्री प्रदान करने वाले शैक्षणिक कार्यक्रमों का विकल्प देता है। संस्थान पाठ्यक्रम और विभिन्न पाठ्यक्रमों की नियमित समीक्षा का ध्यान रखता है, जिससे तेजी से बदलते प्रौद्योगिकी परिदृश्यों में उनकी प्रासंगिकता और उपयोगिता बनी रहे। यह अभ्यास देश के साथ साथ अन्य उन्नत देशों के विषय विशेषज्ञों के परामर्श से किया जाता है।

विभाग

- सिविल एवं इंफ्रास्ट्रक्चर प्रौद्योगिकी
- रसायन विज्ञान
- विद्युत अभियांत्रिकी
- यांत्रिक अभियांत्रिकी
- जैव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी
- कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- गणित
- धातुकर्म और सामग्री प्रौद्योगिकी
- भौतिक विज्ञान
- रसायन अभियान्त्रिकी

स्कूल

- स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप
- स्कूल ऑफ डिजाइन
- स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स
  - कला एवं डिजिटल विसर्जन उत्कृष्टता केंद्र (एडीआई)
- स्कूल ऑफ आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस
  - गणितीय एवं कम्प्यूटेशनल अर्थशास्त्र केंद्र
  - कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित परिशुद्ध स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्टता केंद्र
  - मस्तिष्क विज्ञान एवं अनुप्रयोग उत्कृष्टता केंद्र

इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च प्लेटफॉर्म (आईडीआरपी)

- रोबोटिक्स और मोबिलिटी सिस्टम
- डिजिटल मानविकी
- स्मार्ट हेल्थकेयर
- आईओटी और अनुप्रयोग
- क्वांटम सूचना और संगणना
- अंतरिक्ष विज्ञान प्रौद्योगिकी
- आईआईटीजे–एनएलयूजे संयुक्त कानून और प्रौद्योगिकी केंद्र

स्वतंत्र केंद्र

- शिक्षा प्रौद्योगिकी केंद्र (CET)
- सतत विकास के लिए उभरती प्रौद्योगिकी केंद्र (CETSD)
- प्रौद्योगिकी दूरदर्शिता एवं नीति केंद्र (CTFP)
- चिकित्सा प्रौद्योगिकी केंद्र (मेडटेक केंद्र)
- ऋषभ स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र (RCRICE)
- मानेकशॉ राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन एवं अनुसंधान उत्कृष्टता केंद्र (MCoENSSR)

प्रायोजित केंद्र

- CPS में उन्नत सुरक्षा प्रौद्योगिकी विकास केंद्र
- आयुर्टेक उत्कृष्टता केंद्र
- चिकित्सा प्रौद्योगिकी के लिए डीप–टेक जैव डिजाइन
- DRDO–उद्योग –अकादमिक उत्कृष्टता केंद्र (DIA&CoE)
- IITJ-JJM सतत पेयजल केंद्र
- IITJ-ARIES खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी संयुक्त केंद्र

स्नातक कार्यक्रम

नया पाठ्यक्रम : स्वयं डिजाइन करें अपना कार्यक्रम

प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रम

- जैव प्रौद्योगिकी
- आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस
- कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- रसायन अभियान्त्रिकी
- सिविल एवं इंफ्रास्ट्रक्चर प्रौद्योगिकी
- सामग्री प्रौद्योगिकी
- यांत्रिक अभियांत्रिकी
- विद्युत अभियांत्रिकी
- इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी

» नया व्यापक–आधारित पाठ्यक्रम।
» ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव के सही संतुलन के साथ लचीला कार्यक्रम।
» अनुभवात्मक सीख के अवसर प्रदान करता है।
» उद्योग की उभरती मांगों को पूरा करता है।
» अंत:विषय क्षेत्रों में तकनीकी क्षमता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।
» पहले वर्ष से ही डिजाइन सोच और रचनात्मकता पर जोर देता है।
» 8वें सेमेस्टर में उद्यमिता और इंजीनियरिंग नवाचार को आगे बढ़ाने का विकल्प।
» 4 वर्षीय कार्यक्रम के भाग के रूप में लघु, अंत:विषयी और विभागीय क्षेत्र विशेषज्ञता प्रदान करता है।
» छात्र अतिरिक्त क्रेडिट के माध्यम से 4 वर्ष के कार्यक्रम के भीतर डबल बी.टेक. का विकल्प चुन सकते हैं।
» 7वें सेमेस्टर में बी.टेक. को 5 वर्षीय बी.टेक.+ एम.टेक. दोहरी डिग्री में बदलने का विकल्प।
» उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन में विशेषज्ञता के साथ हाल ही में शुरू किए गए प्रौद्योगिकी–उन्मुख बी.एस. कार्यक्रम।
» बी.एस. कार्यक्रम दोहरी डिग्री के लिए भी अवसर प्रदान करता है।

लघु/ अंतर्विषयक विशेषज्ञताओं को आगे बढ़ाने का विकल्प

1. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)
2. साइबर फिजिकल सिस्टम (सीपीएस)
3. इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
4. स्मार्ट हेल्थकेयर
5. प्रबंधन
6. उद्यमिता
7. प्रौद्योगिकी नवाचार

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

बैचलर ऑफ साइंस कार्यक्रम

- भौतिकी विशेषज्ञता के साथ
- रसायन विज्ञान विशेषज्ञता के साथ

बी.एससी – बी.एड.

- बी.एससी – बी.एड.

बी.एससी./ बी.एस.

- एप्लाइड एआई एंड डेटा साइंस

स्नातकोत्तर कार्यक्रम

तैयारी आविष्कार और नवाचार की

एम.एससी. कार्यक्रम

विज्ञान

रसायन विज्ञान = गणित = भौतिक विज्ञान

सामाजिक विज्ञान

डिजिटल मानविकी = कम्प्यूटेशनल सामाजिक विज्ञान

नए क्षेत्रों में भविष्य की सफलताओं के लिए वैज्ञानिक तर्क और विश्लेषणात्मक समस्या समाधान कौशल का विकास

मेडिकल टेक्नोलॉजी

मेडिकल टेक्नोलॉजी = मास्टर–पीएचडी इन मेडिकल टेक्नोलॉजी

एमबीए

बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन = प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (एमबीए–टेक)

एम.एससी. – एम.टेक.

- डेटा कम्प्यूटेशनल विज्ञान
- रसायन विज्ञान और सामग्री प्रौद्योगिकी
- भौतिकी एवं सामग्री प्रौद्योगिकी

मास्टर ऑफ डिजाइन (एम डेस)

- एक्सआर डिजाइन
- स्मार्ट उत्पाद डिजाइन

ज्ञान का एक मजबूत आधार तैयार करें, शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करें और बौद्धिक रूप से प्रेरक वातावरण में रचनात्मकता को बढ़ाएं

अकादमिक कठोरता और नवीनता प्रदान करना, न कि अत्यधिक विशेषज्ञता, बल्कि सूक्ष्म विशेषज्ञता के साथ लचीलापन और व्यापक ज्ञान प्रदान करना

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

स्नातकोत्तर कार्यक्रम आविष्कार और नवाचार की तैयारी

एम.टेक.

- रोबोटिक्स और गतिशीलता प्रणालियाँ
- बुद्धिमान संचार प्रणालियाँ
- पदार्थ अभियांत्रिकी
- जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी
- कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता
- साइबर भौतिक प्रणालियाँ
- सेंसर और इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- उन्नत विनिर्माण और डिजाइन
- डेटा और कम्प्यूटेशनल विज्ञान
- थर्मोफ्लुइड्स अभियांत्रिकी
- रासायनिक अभियांत्रिकी
- पर्यावरण अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ अवसंरचना अभियांत्रिकी
- ऊर्जा में विशेषज्ञता के साथ अवसंरचना अभियांत्रिकी
- इंटेलीजेंट वीएलएसआई प्रणालियाँ
- क्वांटम प्रौद्योगिकियाँ
- संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता (एआर और वीआर)
- डेटा अभियांत्रिकी
- ड्रोन और एंटी–ड्रोन प्रौद्योगिकियाँ
- ब्रिज अभियांत्रिकी

ऑनलाइन और कार्यकारी कार्यक्रम

कार्यकारी एमटेक कार्यक्रम

- कार्यकारी एमटेक कृत्रिम बुद्धिमत्ता में
- डेटा और कम्प्यूटेशनल विज्ञान में कार्यकारी एमटेक
- रोबोटिक्स और मोबिलिटी सिस्टम में कार्यकारी एमटेक
- कार्यकारी वीएलएसआई में एम.टेक
- एमबीए टेक कोहोर्ट
- संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता कार्यक्रम में कार्यकारी एमटेक
- डेटा इंजीनियरिंग में ऑनलाइन एम.टेक (डीई में पीजी डिप्लोमा से परिवर्तित)

ऑनलाइन यूजी कार्यक्रम

- एप्लाइड एआई और डेटा विज्ञान कार्यक्रम में बीएस/बीएससी

ऑनलाइन पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम

- डेटा इंजीनियरिंग में पीजी डिप्लोमा
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
- डेटा इंजीनियरिंग और क्लाउड कंप्यूटिंग में पीजी डिप्लोमा
- ऑनलाइन स्नातकोत्तर डिप्लोमा अगली पीढ़ी के ओमिक्स प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोगों में

ऑनलाइन पीजी सर्टिफिकेट कार्यक्रम

- डेटा एनालिटिक्स में पीजी सर्टिफिकेट
- मशीन लर्निंग और एआई में पीजी सर्टिफिकेट
- अगली पीढ़ी के ओमिक्स प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोगों में पीजी एडवांस्ड सर्टिफिकेट
- ऑनलाइन स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र अगली पीढ़ी के ओमिक्स की मूल बातें प्रौद्योगिकियाँ और अनुप्रयोग

शोध कार्यक्रम

पीएचडी

- रसायन विज्ञान
- गणित
- भौतिकी
- उदार कलाएँ
- जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी
- कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- विद्युत अभियांत्रिकी
- यांत्रिक अभियांत्रिकी
- सामग्री अभियांत्रिकी
- रासायनिक अभियांत्रिकी
- सिविल और अवसंरचना अभियांत्रिकी
- चिकित्सा प्रौद्योगिकियाँ
- प्रबंधन एवं उद्यमिता
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डेटा विज्ञान
- सतत विकास के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों का केंद्र
- गणितीय एवं कम्प्यूटेशनल अर्थशास्त्र केंद्र
- शिक्षा प्रौद्योगिकी केंद्र
- डिजाइन

अंतर्विषयक पीएच.डी.

- डिजिटल मानविकी
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स एवं अनुप्रयोग
- स्मार्ट स्वास्थ्य सेवा
- अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- रोबोटिक्स एवं गतिशीलता प्रणालियाँ
- क्वांटम सूचना एवं संगणन

शोध द्वारा एम.एस.

- कला और डिजिटल विसर्जन पर उत्कृष्टता केंद्र
- मस्तिष्क विज्ञान एवं अनुप्रयोग पर उत्कृष्टता केंद्र
- गणितीय एवं कम्प्यूटेशनल अर्थशास्त्र केंद्र
- प्रौद्योगिकी दूरदर्शिता और नीति केंद्र
- इंटेलीजेंट अवसंरचना
- स्वच्छ ऊर्जा में अनुसंधान एवं नवाचार के लिए ऋषभ केंद्र
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सटीक स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्टता केंद्र
- सतत विकास के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों का केंद्र

अनुसंधान एवं विकास परिदृश्य को विकसित भारत के साथ जोड़ा गया

प्रमुख क्षेत्र

भा.प्रौ.सं. जोधपुर में प्रमुख अनुसंधान पहल

डीएसटी हाइड्रोजन वैली –
जोधपुर हाइड्रोजन वैली
इनोवेशन क्लस्टर (जेएचवीआईसी)

जल संबंधी पहल– सतत
पेयजल के लिए
भा.प्रौ.सं. जोधपुर–जेजेएम केंद्र

डीआरडीओ–उद्योग–अकादमिक
उत्कृष्टता केंद्र:
रक्षा प्रौद्योगिकी और
नवाचार को बढ़ाना

मानेकशॉ राष्ट्रीय सुरक्षा
अध्ययन और अनुसंधान
उत्कृष्टता केंद्र (MCoENSSR)

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार
द्वारा प्रायोजित आयुर्टेक
उत्कृष्टता केंद्र

डीप–टेक बायो डिज़ाइन
चिकित्सा प्रौद्योगिकी केंद्र

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए मानेकशॉ उत्कृष्टता केंद्र अध्ययन और अनुसंधान (MCoENSSR)

भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के नाम पर राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन एवं अनुसंधान के लिए मानेकशॉ उत्कृष्टता केंद्र (MCoENSSR) का आधिकारिक उद्घाटन किया है। यह केंद्र एक विशेष प्रयोजन वाहन (SPV) है जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने और आत्मनिर्भर भारत के तहत एक "सुरक्षा औद्योगिक परिसर" विकसित करने हेतु शिक्षा जगत, सरकार और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। यह यूएवी, ड्रोन–रोधी प्रणालियों, निर्देशित ऊर्जा हथियारों और उभरती प्रौद्योगिकियों में अंतःविषय अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करेगा। MCoENSSR रक्षा बलों, सुरक्षा एजेंसियों और कानून प्रवर्तन संगठनों के कर्मियों के लिए अगली पीढ़ी के हाइब्रिड युद्ध और उभरती प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित पाठ्यक्रम प्रदान करेगा। यह नए युग की राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुसंधान–आधारित समाधान भी प्रदान करेगा। यह केंद्र भारतीय सैन्य संस्थानों के साथ साझेदारी में पाठ्यक्रम प्रदान करेगा और कार्यक्रम आयोजित करेगा।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र धारा-8 कंपनियां

1. टेक्नोलॉजी इनोवेशन एंड स्टार्ट–अप सेंटर (टीआईएससी)
2. आईआईटीजे आईएचयूबी दृष्टि फाउंडेशन
3. एआईओटी इनोवेशन हब
4. जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन
5. भा.प्रौ.सं. जोधपुर टेक्नोलॉजी पार्क
6. एआईसी–आईआईटी जोधपुर इनोवेशन फाउंडेशन
7. भा.प्रौ.सं. जोधपुर मरुधरा फाउंडेशन

हमारे संकाय

277
कुल संकाय

157
सहायक आचार्य

75
सह-आचार्य

40
आचार्य

02
प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस

02
विज़िटिंग आचार्य

01
विशिष्ट आचार्य

उद्योगों के साथ जुड़ाव

इनक्यूबेटर्स का समर्थन
छात्र इंटर्नशिप के माध्यम से संयुक्त शोध
परामर्श
व्यावसायिक क्षमता विकास के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम
प्रायोजित शोध
विशेष लैब्स और उत्कृष्टता केंद्र
टेक्नोलॉजी पार्क
सीएसआर फंडिंग के माध्यम से समर्थन

सहकार्यता (शैक्षणिक संस्थान)

संस्थान अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के कई संस्थानों और संगठनों के साथ सहकार्यता करता है, जिसमें शैक्षणिक पाठ्यक्रमों, परियोजनाओं, प्रकाशनों, प्रौद्योगिकी विकास सहित संयुक्त शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियाँ शामिल हैं।

सहकार्यता (सरकारी निकाय और उद्योग)

केंद्रीय अनुसंधान सुविधा

आईआईटी जोधपुर में केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (सीआरएफ) शोधकर्ताओं को बहु–विषयक अनुसंधान के लिए उच्च–स्तरीय उपकरणों तक पहुँच प्रदान करती है। यह भारत सरकार के आई–एसटीईएम पोर्टल पर पंजीकृत है और देश भर के उपयोगकर्ताओं के लिए एक बाहरी बुकिंग प्रणाली का प्रबंधन करता है।

एस. आर. रंगनाथन लर्निंग हब

पुस्तकालय ज्ञान संसाधनों के अधिग्रहण, संगठन और प्रसार को सुगम बनाकर संस्थान की शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करता है, और भा.प्रौ.सं. जोधपुर समुदाय को पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएँ भी प्रदान करता है। इसमें पुस्तकों, जर्नल संसाधनों और डेटाबेस का एक समृद्ध और बढ़ता हुआ संग्रह है जो उपयोगकर्ताओं की विभिन्न सूचना आवश्यकताओं को पूरा करता है और परिसर के भीतर और बाहर दोनों जगह सूचनाओं तक निर्बाध पहुँच प्रदान करता है। अधिकांश जानकारी डिजिटल रूप में होने के कारण, इसे संकाय और कर्मचारियों द्वारा इंटरनेट सुविधाओं वाले किसी भी स्थान से दूरस्थ रूप से प्राप्त किया जा सकता है।

अत्याधुनिक शिक्षण सुविधाएँ

संस्थान में दो व्याख्यान कक्ष परिसर हैं जो अत्याधुनिक डिजिटल तकनीकों से सुसज्जित हैं जो मिश्रितध्हाइब्रिड शिक्षण की सुविधा प्रदान करते हैं। एक परिसर 1500 (लगभग) छात्रों की कक्षा शिक्षण आवश्यकता को पूरा करता है, जिसमें 320 और 625 सीटों की क्षमता वाले दो बड़े व्याख्यान कक्ष शामिल हैं। नए व्याख्यान कक्ष परिसर में 160–160 बैठने की क्षमता वाली 3 कक्षाएँ हैं। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक विभाग भवन की अपनी सुसज्जित कक्षाएँ और शिक्षण प्रयोगशालाएँ हैं।

नया व्याख्यान कक्ष परिसर

डिजिटल अवसंरचना और स्वचालन (DIA)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में डिजिटल अवसंरचना और स्वचालन (DIA), संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी उन्नति के लिए एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में कार्य करता है। डीआईए सभी उपयोगकर्ताओं को कुल 9 Gbps इंटरनेट क्षमता, प्रमाणपत्र–असंगत साइबर सुरक्षा उपायों और GIGW दिशानिर्देशों का पालन करने वाली एक उपयोग. कर्ता–अनुकूल वेबसाइट के साथ एंड–टू–एंड नेटवर्क अवसंरचना की सुविधा प्रदान करता है। डीआईए उच्च–स्तरीय सर्वरों पर 100 से ज्यादा वर्चुअल मशीनों वाला एक वर्चुअलाइजेशन क्लस्टर संचालित करता है और प्रयोगशाला सुविधाओं के साथ–साथ एआई सुपरकंप्यूटरों सहित पर्याप्त संसाधनों के साथ एक एचपीसी सुविधा भी प्रदान करता है। डीआईए MATLAB, Mathematic, Cadence, Ansys आदि सहित कई लाइसेंस प्राप्त सॉफ. टवेयर तक पहुँच भी प्रदान करता है। मानव संसाधन, शैक्षणिक, लेखा, अनुसंधान एवं विकास आदि सहित ईआरपी मॉड्यूल, शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों का समर्थन करते हैं, जो संस्थ. ान के दक्षता और अत्याधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने के उद्देश्य में योगदान करते हैं।

एएनवीआईएसए (एक नवीन नवाचार स्थल)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर गर्व के साथ प्रस्तुत करता है अपनी अत्याधुनिक टिंकरिंग लैब: एएनवीआईएसए (एक नवीन नवाचार स्थल), जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता में नवाचारपूर्ण विचारों को पोषित करने के लिए समर्पित है। यह लैब अकादमिक और सह–पाठयक्रम गतिविधि परिषद द्वारा समर्थित है।

यहां इस अद्भुत लैब की कुछ झलकियां प्रदर्शित की गई हैं।

प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट

इंटर्नशिप और प्लेसमेंट ड्राइव में 200 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया

पहले से नियुक्त छात्रों की कुल संख्या:

बी.टेक.	एमटेक.	एमएससी	एमबीए
249	75	23	60

छात्रों को दिया जाने वाला औसत वेतन

बी.टेक.	एमबीए
रु 17 एलपीए	रु 11.5 एलपीए

छात्रों को दिया जाने वाला अधिकतम वेतन

बी.टेक.	एमटेक.	एमबीए
रु 56 एलपीए	रु 24.1 एलपीए	रु 24.8 एलपीए

कैंपस की जिंदगी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में कैंपस जीवन जीवंत और समृद्ध है। सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय त्योहारों का उत्सव, सामान्य कार्यशालाएं आदि गतिविधियाँ छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के साथ–साथ उनके परिवारों को भी एक साथ लाती हैं।

कैम्पस जीवन

IGNUS

16TH & 18TH
FEB 2024
EVENT PARTNER
HIP HOP
DANCE
CHAMPIONSHIP
2024
by ANJAAN

कैम्पस सुविधाएं

किराना स्टोर (फ्रेश एन ग्रीन)

बैंक

स्वास्थ्य केंद्र

चाय की दुकान

छात्र मेस

छात्रावास ब्लॉक

फूड कोर्ट (शामियाना)

इनडोर-आउटडोर खेल सुविधाएं

कला प्रतिष्ठान

संस्थान ने परिसर की सुंदरता बढ़ाने के लिए विभिन्न थीम आधारित कलाकृतियाँ विकसित की हैं।

द ब्रेन ट्री।

आईआईटी जोधपुर के विशाल क्षेत्र में, जहाँ आप देखते हैं, ष्ब्रेन ट्रीष नाम का एक ऊँचा वृक्ष खड़ा है। प्रकृति और तकनीक के दो पहलुओं, पुरुष और स्त्री, को दर्शाता यह वृक्ष वास्तव में आईआईटीजे की भावना को दर्शाता है जो दोनों दुनियाओं के सर्वोत्तम पहलुओं को एक साथ मिलाकर एक लय में काम करता है। प्राकृतिक विज्ञान और तकनीक का एक प्रतीकात्मक संगम, ब्रेन ट्री, भा.प्रौ.सं. जोधपुर के द्वार से प्रवेश करने वाले सभी लोगों को अपने आगोश में ले लेता है। एक ओर जीवन और विकास का प्रतीक पत्तियों की बढ़ती शाखाएँ और दूसरी ओर तकनीक की उन्नति का प्रतिनिधित्व करने वाले न्यूरॉन्स और इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ, यह वृक्ष छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए अपने ज्ञान का विस्तार करने हेतु निरंतर प्रेरणा का स्रोत है। यह वृक्ष सहयोगात्मक लेखन और सामाजिक व्याख्या का भी समर्थन करता है, और यह आगाह करता है कि कुछ ज्ञान मानवीय विशेषाधिकार से परे भी है। एक वृक्ष की तरह, यहाँ के छात्र तकनीकी बुद्धि के विकास का प्रतीक हैं, साथ ही मूल्यों में निहित और आकाश की ओर लक्ष्य रखने वाले भी हैं।

मैत्री फव्वारा

मैत्री फव्वारा परिसर की सुंदरता बढ़ाने के लिए विकसित किया गया है और प्रशासनिक भवन, चाणक्य कॉम्प्लेक्स के सामने स्थापित किया गया है। यह स्टील से बनी एक मूर्ति है जिसे गहरे भूरे ग्रेनाइट के किनारों से सजाया गया है।

बर्म की बाहरी सतह पर भित्ति चित्र

जहाँ बर्म के आंतरिक स्थानों का उपयोग विभिन्न सुख–सुविधाओं के लिए किया जाता है, वहीं इन बर्मों की बाहरी सतह को विषयगत रूप से चित्रित किया गया है जो भारतीय दर्शन में पंच महाभूत कहे जाने वाले पाँच प्राकृतिक तत्वों – पृथ्वी (पृथ्वी), जल (अपस), तेजस (अग्नि), वायु और आकाश (अंतरिक्ष या ईथर) का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये पाँच तत्व आयुर्वेद, योग और शास्त्रीय भारतीय वास्तुकला (वास्तु शास्त्र) सहित कई भारतीय विज्ञानों और परंपराओं का आधार हैं। ये चित्र 1265 मीटर से अधिक की रैखिक लंबाई में फैले हुए हैं और बर्मों पर लगभग 500 मीटर लंबा एक उद्यान भी विकसित किया गया है। जहाँ दिन के समय बर्म भव्य किले जैसी संरचना को प्रदर्शित करते हैं, वहीं शाम के समय अग्रभाग की रोशनी उनकी मौलिक सुंदरता को और बढ़ा देती है।

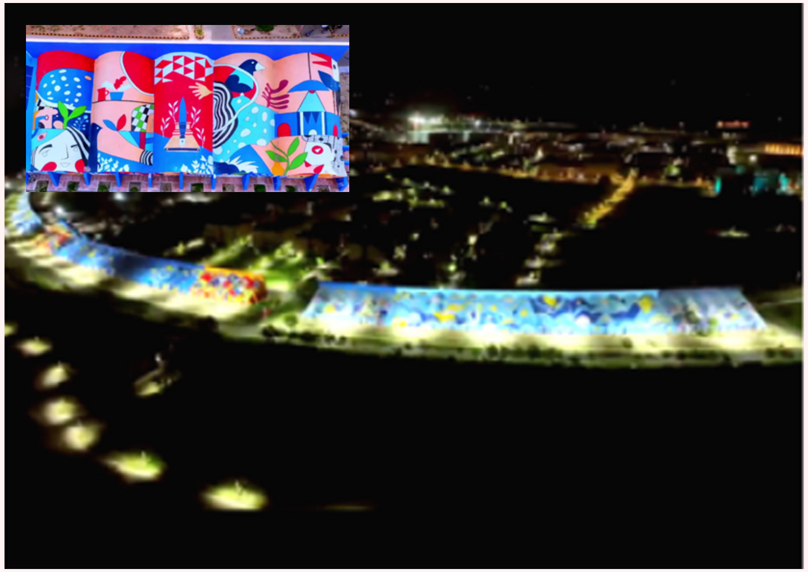

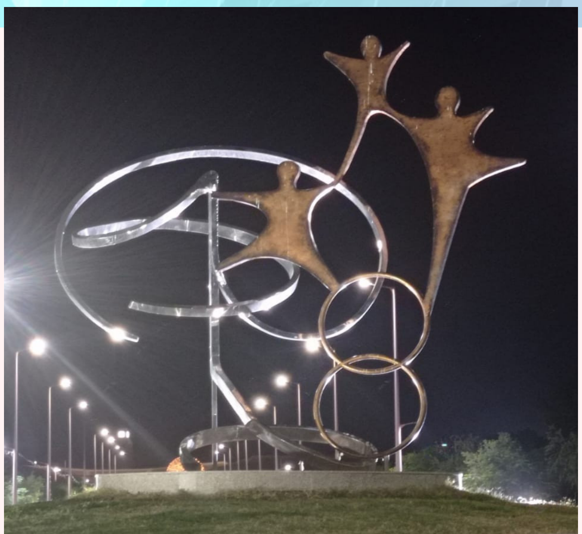

सफलता का चक्र

सफलता का चक्र जोधपुर क्लब के सामने स्थापित है। यह मूर्ति नटराज के ब्रह्मांडीय नृत्य की तरह ज्ञान के वृत्ताकार नृत्य का प्रतिनिधित्व करती है – सृजन, संरक्षण और संहार के वृत्तों का एक अंतर्क्रिया – इसके अलावा, एक ड्राइंग बोर्ड पर कम्पास का बैलेटिक आकार वृत्तों के रूप में तरंगें छोड़ता है। विज्ञान स्वयं विचार और कल्पना को अभिव्यक्ति देने वाला एक उपकरण है। वृत्त पूर्णता और शाश्वतता का प्रतिनिधित्व करने वाला एक सार्वभौमिक प्रतीक है। वृत्ताकार आकृति का प्रयोग शून्य को दर्शाने के लिए भी किया जाता है, जिसका प्रयोग भारत में पहली बार अपने आप में एक मान के रूप में किया गया था।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के ११वें दीक्षांत समारोह में दिव्य उपस्थिति का अनावरण

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के 11वें दीक्षांत समारोह में, माँ सरस्वती जी और माँ लक्ष्मी जी की दिव्य उपस्थिति का अनावरण किया गया और परिसर समुदाय के लिए ज्ञान और समृद्धि का आशीर्वाद मांगा गया। इस पावन अवसर ने दीक्षांत समारोह में एक आध्यात्मिक आयाम जोड़ा, जो ज्ञान और कल्याण के प्रति संस्थान की श्रद्धा का प्रतीक है।

वन्यजीवन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर परिसर कई प्रकार की स्थानीय वनस्पतियों और जीवों का घर है। यहाँ काले हिरण, चिंकारा, नीलगाय, सियार, सांप और ऐतिहासिक खेजड़ी के पेड़ पाए जाते हैं।

चित्र साभाररू डॉ. मानसी मुखर्जी, महिला वैज्ञानिक, IMPACT, IITJ

चित्र साभाररू डॉ. मानसी मुखर्जी, महिला वैज्ञानिक, IMPACT, IITJ

क्षितिज का विस्तार, भविष्य का निर्माण

किसी भी प्रश्न के लिए, कृपया संपर्क करें
संस्थान प्रकाशन समिति
आईआईटी जोधपुर
publications@iitj.ac.in
+91 291 280 1161
अधिक जानकारी के लिए, कृपया देखें
https://iitj.ac.in/publication

संपर्क करें

©भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, 2025